ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-06-2026

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-06-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-06-06	2026-06-07	2026-06-08	2026-06-09	2026-06-10
वर्षा (मिमी)	1.9	2.3	0.0	0.0	1.2
अधिकतम तापमान(से.)	40.5	41.7	43.5	43.9	43.2
न्यूनतम तापमान(से.)	30.0	31.0	32.1	32.8	31.5
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	61	59	47	49	58
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	27	23	18	18	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5.7	8.7	14.8	7.3	6.3
पवन दिशा (डिग्री)	215	222	241	237	239
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	4	5	5	5
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

मौसम मुख्यतः गर्म और शुष्क रहेगा, अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान, तेज़ हवाएँ आदि; सतह पर तेज़ हवाएँ

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना, फलों का टूटना

सामान्य सलाहकार:

किसानों को खरीफ धान की बुवाई के लिए पर्याप्त मात्रा में वर्षा (एक सप्ताह में 75-100 मिमी) की प्रतीक्षा करें, जबकि सिंचाई की सुविधा वाले किसान खरीफ धान की बुवाई के लिए जा सकते हैं। परिपक्व सब्जियों की तुड़ाई सुबह और शाम के समय करें और तुड़ाई के बाद उसे छाया में रखें। आम, नींबू और केले जैसे फलों की सिंचाई करें। खरीफ फसल लगाने हेतु खेतों की जोताई ढाल के विपरीत दिशा में करें तथा खेत के मेढ़ों को दुरुस्त कर लें, वर्षा जल संचयन के लिए अपने खेत के निचले भाग में छोटे -छोटे गड्ढे (डोभा) का निर्माण करें, फल या लकड़ी के पौधे लगाने के लिए गड्ढों की खोदाई करें। जो किसान भाई अदरख, हल्दी या ओल की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं, वे अब इसकी बोआई मेढ़ बनाकर ही करें। खरीफ फसल की समय पर बोआई के लिए खेत की तैयारी के साथ - साथ आवश्यकतानुसार उत्तम बीज का चुनाव करें, बीज को उपचारित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी (बाविस्टिन/गोल्डस्टिन) @ 1.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज या कैप्टान 50% (कैपगोल्ड/ कैप्टारा) या थीरम 75% (थिरम 75/ थिरॉक्स) @ 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से करना चाहिए। प्रतिष्ठित एजेंसियों/दुकानों से एकत्रित ट्राइकोडर्मा जैसे बायो-एजेंट फॉर्मूलेशन का उपयोग बीज उपचार के लिए 10 ग्राम/किलो बीज की दर से किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

बारिश के बाद जल्दी बोई गई सब्जियों में मुरझाने की समस्या होने पर 1.5 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन व 25 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 10 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
अरहर (लाल चना/ अरहर)	अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बीज किसी प्रमाणित श्रोत से ही खरीदें। बीजों को बोने से पहले अरहर के लिए उपयुक्त राईजोवियम तथा फास्फोरस में घुलनशील बैक्टीरिया से उपचार करें तथा अच्छे अंकुरण के लिए खेत में पर्याप्त नमी होनी आवश्यक है। इस उपचार से बीजों के अंकुरण तथा उत्पादन में वृद्धि होती है। अरहर की उन्नत किस्में – एल.आर.जी.-41, बिरसा अरहर-1, नरेन्द्र अरहर-1 एवं 2, बहार, आई.सी.पी.एच.-2671 इनमे से किसी एक किस्म का चुनाव करें।
मक्का	जो किसान भाई मकके की फसल लगाना कहते हैं वे पहली गहरी जुताई के बाद हल से दो से तीन बार जुताई कर अंतिम तैयारी के समय 5 टन सड़ी गोबर की खाद प्रति एकड़ की दर से मिट्टी में अच्छी तरह से मिला दें। अम्लीयता कम करने के लिए 1-1.5 कुन्तल चुना प्रति एकड़ की दर से कतार में डालकर मिट्टी में मिला दें फिर बीज को कतार में डालकर अच्छी तरह से ढक दें। बुआई से पहले बीजों का उपचार:- बीमारी,दीमक एवं धड़ छेदक कीट से बचने के लिए बेभिस्टीन 50 डब्लू. पी. की 2 ग्राम एवं बाद में क्लोरपायरीफास 20 ई.सी. की 5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से प्रयोग करें।
चावल	धान के लिए भूमि तैयार करें एवं उन्नत क़िस्मों के बीज का प्रबंध करें। धान का बिछड़ा तैयार करने हेतु उन्नत किसमे हैं – उचि भूमि हेतु (टांड़) – बिरसा विकास धान 109, 110, 111, बिरसा धान – 108 एवं वंदना; मध्यान भूमि हेतु (दोन 3 एवं दोन 2) – सहभागी धान, आई° आर° - 36, 64, ललाट, नवीन, बिरासमति; निचली भूमि हेतु (दोन 1) – राजश्री, सवर्णा, संभा महरुरी का प्रयोग करें। बीजों की बुवाई से पहले फफूंदनाशक बाविस्टीन 2 ग्राम प्रति किलो बीज के दर से उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	बैंगन, मिर्च और भिंडी में मुरझाने या आंशिक मुरझाने से बचाने के लिए नीम या करंजा की खली का प्रयोग करें और बेसल + फोलियर छिड़काव के रूप में टेबुकोनाजोल कवकनाशी @ 1 मि.ली./लीटर का छिड़काव करें।
भिण्डी	भिंडी में येलो वेन मोज़ेक वायरस को नियंत्रित करने के लिए नीम का तेल @ 2 मिली / 1 लीटर पानी के साथ सुबह के समय छिड़काव करें या इस रोग को नियंत्रित करने के लिए पीले चिपचिपे जाल का उपयोग करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	IMD के अनुमानों के अनुसार, जून और 2026 के दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान सामान्य से कम बारिश की संभावना है। ऐसे में, धान की पैदावार बनाए रखने के लिए जलवायु-अनुकूल फसल और पानी के प्रबंधन के तरीके अपनाना ज़रूरी होगा। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कम समय में तैयार होने वाली और सूखे को सहने वाली धान की किस्में उगाएं। साथ ही, मौसम से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए एक ही बार बुवाई करने के बजाय अलग-अलग समय पर बुवाई या सामुदायिक नर्सरी का तरीका अपनाएं। वैकल्पिक गीलापन एवं सुखापन' और शुष्क प्रत्यक्ष बीजित धान' तकनीकों से पानी के इस्तेमाल की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है। सूखे को सहने की क्षमता और पौधे की मज़बूती बढ़ाने के लिए, शुरुआती खाद के तौर पर फॉस्फोरस (75 kg प्रति हेक्टेयर), आयरन (30 kg प्रति हेक्टेयर) और सिलिकॉन (200 kg प्रति हेक्टेयर) का इस्तेमाल करें। बाली बनने की शुरुआत में अतिरिक्त पोटेशियम (20–25 kg प्रति हेक्टेयर) देने से तनाव सहने की क्षमता और पानी के इस्तेमाल की क्षमता बेहतर हो सकती है। वहीं, मिट्टी में बोरॉन (2 kg प्रति हेक्टेयर) डालने से गर्मी और नमी की कमी के बावजूद परागकणों की जीवनक्षमता, स्पाइकलेट की फर्टिलिटी और दाने भरने की प्रक्रिया ठीक बनी रहती है। इन उपायों को समय पर अपनाने से सामान्य से कम बारिश वाले मॉनसून की स्थिति में पैदावार में होने वाले संभावित नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।
सामान्य सलाह	खरीफ मौसम में सामान्य से कम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान अरहर एवं मूंगफली की अंतरवर्ती खेती अपनाएं। यह फसल प्रणाली कम वर्षा एवं सूखे की परिस्थितियों में अधिक टिकाऊ सिद्ध होती है। बीज दर - अरहर 8 किलोग्राम प्रति एकड़ , मूंगफली 24 किलोग्राम प्रति एकड़ लें। अरहर की कतार से कतार की दुरी 75 से. मि. तथा पौध से पौध की दुरी 30 से. मी., अरहर की दो पंक्तियों के बीच मूंगफली की लें (30 से. मी. X 15 से. मी.)

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फूल एवं फल झड़ना, फसल गिरना, जल जमाव

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

फसलों में जल निकासी की व्यवस्था करें, सहारा वाली फसलों को बांधें

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details